



SHRI KOTA SATCHIDANANDA SASTRY

Shri Kota Satchidananda Sastry is a famous artist of Harikatha. In his more than seven decades of artist career, he contributed his best to the art of Harikatha.

2. Born on 12th August, 1934 at Addanki Village, in Prakasam District, in Andhra Pradesh, Shri Sastry received his primary education in Addanki and started his artist career in 1946 as an artist of Harikatha and is continuing till date. He learnt it from Shri Akkapeddi Ramakrishnaiah and some others. Shri Panditaradhyula Sambamurthi (Father of Cine Playback Singer Shri S.P. Bala Subrahmanyam) who was an exponent in the art of Harikatha stood as a model to him. Later, he learnt the scripts of Mahabharatha from his Guru Late Musunoori Suryanarayana Das Garu.

3. During the decades of 60s to 90s and early 21st Century, Shri Sastry extensively gave his performances throughout Andhra Pradesh and other States of India and abroad like England and Mauritius. He used the works of Shri Adibhatla Narayana Dasu, Shri Parimi Subrahmanya Bhagavathulu and Shri Peddinti Surya Narayana Deekshita Dasu. He sang Kruthis from Tyagaraju, Purandaradasu, Ramadasu, Annamayya, Kshetrappa, Sadasiva Brahmendra and many Vaggeyakaras. He quotes the work of modern poets like Sri Sri, Jashua, Athreya, Arudra, Devulapalli Krishna Sastry and many others. Through his art form, he tried to bring the moral values to the common man. According to the scene and situation he enacted the characters and show cased them to the spectators.

4. During his long career Shri Sastry performed more than 15000 performances. He made a lot of study and research and got acquaintance with the characters and bhavas, emotions, dialogues, actions and ideas. He was given "A" top rank in All India Radio.

5. Shri Sastry got felicitations from former Chief Minister Shri N.T. Rama Rao, Shri M. Janardhan Reddy and Shri Nara Chandra Babu Naidu. Many legendaries, luminaries like Dr. Akkineni Nageswara Rao (Padma Vibhushan awardee), Shri Ghantashala Venkateswara Rao (Padma Shri awardee), Shri Vedantam Satyanarayana Sarma (Padma Shri awardee), Shri C. Narayana Reddy, Dr. Mangalampalli Bala Muralikrishna, Shri Turlapati Kutumba Rao. He was felicitated with titles like "Katha Gana Kala Kovida", "Viswa Kala Prapoorna", "Harikatha Chakravarthi". He got Sangeet Natak Academy Award for the year 2018. He got "Hansa Puraskar" for the year 2015 from Andhra Pradesh State Government.



श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री

श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री हरिकथा के प्रसिद्ध कलाकार हैं। कलाकार के तौर पर अपने सात दशक से अधिक के करियर में, उन्होंने हरिकथा की कला में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया।

2. 12 अगस्त, 1934 को आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के अडांकी गांव में जन्मे, श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अडांकी में प्राप्त की और 1946 में हरिकथा के एक कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया जो अब तक जारी है। उन्होंने इसे श्री अक्कापेड्डी रामकृष्णैया और कुछ अन्य लोगों से सीखा। श्री पंडिताराधुला संबमूर्ति (सिने पार्श्वगायक श्री एसपी बाला सुब्रह्मण्यम के पिता), जो हरिकथा की कला के प्रतिपादक थे, श्री शास्त्री के आदर्श थे। बाद में, उन्होंने अपने गुरु स्वर्गीय मुसुनूरी सूर्यनारायण दास गारु से महाभारत की कथाएं सीखीं।

3. 60 से 90 के दशकों और 21वीं सदी की शुरुआत के दौरान, श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री ने पूरे आंध्र प्रदेश और भारत के अन्य राज्यों तथा इंग्लैंड और मॉरीशस जैसे देशों में व्यापक तौर पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने श्री आदिभट्टल नारायण दासु, श्री परिमी सुब्रह्मण्य भगवथुलु और श्री पेदीन्ती सूर्य नारायण दीक्षिता दासु की कृतियों का उपयोग किया। उन्होंने त्यागराजु, पुरंदरदासु, रामदासु, अन्नमय्या, क्षेत्रय्या, सदाशिव ब्रह्मेंद्र और कई वाग्गेयकारों की कृतियों को गाया। वह श्री श्री, जशुआ, अत्रेय, अरुद्र, देवुलपल्ली कृष्ण शास्त्री और कई अन्य आधुनिक कवियों की कृतियों को उद्धृत करते हैं। उन्होंने अपनी कला के जरिये नैतिक मूल्यों को आम आदमी तक पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने दृश्य और स्थिति के अनुसार पात्रों का अभिनय किया और दर्शकों के आगे उनको प्रदर्शित किया।

4. अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने 15000 से अधिक प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने काफी अध्ययन और शोध किया तथा पात्रों और भावों, भावनाओं, संवादों, मुद्राओं और विचारों से परिचित हुए। उन्हें ऑल इंडिया रेडियो में "ए" शीर्ष रैंक दिया गया।

5. श्री कोटा सच्चिदानंद शास्त्री को पूर्व मुख्यमंत्री श्री एन टी रामाराव, श्री एम जनार्दन रेड्डी और श्री नारा चंद्र बाबू नायडू ने सम्मानित किया। डॉ. अक्किनेनी नागेश्वर राव (पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता), श्री घंटाशाला वेंकटेश्वर राव (पद्म श्री पुरस्कार विजेता), श्री वेदांतम सत्यनारायण सरमा (पद्म श्री पुरस्कार विजेता), श्री सी. नारायण रेड्डी, डॉ. मंगलमपल्ली बाला मुरलीकृष्ण, श्री तुर्लापती कुटुम्ब राव जैसे कई दिग्गजों ने उनकी प्रशंसा की है। उन्हें "कथा गण कला कोविदा", "विश्व कला प्रपूर्ण", "हरिकथा चक्रवर्ती" जैसी उपाधियों से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2018 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार दिया गया। आंध्र प्रदेश सरकार ने उन्हें वर्ष 2015 के लिए "हमसा पुरस्कार" से सम्मानित किया।